RNI No. MPHIN 2001/05718

साप्ताहिक समाचार पत्र

चम्बल क्रांति

वर्ष-22 अंक-26 मुरैना, गुरूवार 18 अगस्त 2022 पृष्ठ-8 मूल्य-2 रूपये

मुख्यमंत्री श्री चौहान के मुख्य आतिथ्य में हुआ राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह

भारी वर्षा के बीच हुआ परेड कार्यक्रम और अलंकरण समारोह



भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि राज्य शासन का संकल्प है कि प्रदेश की धरती पर कोई भी परिवार बिना जमीन और बिना घर के नहीं रहेगा, कोई भी गरीब इलाज से वंचित नहीं रहेगा, कोई मेधावी विद्यार्थी धन के अभाव में शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा, कोई भी बच्चा बेसहारा नहीं रहेगा, कोई भी परिवार साफ पीने के पानी से वंचित नहीं रहेगा और कोई भी पात्र हितग्राही शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश की जनता से इन क्षेत्रों में सरकार के साथ मिल कर काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बेटी बचाना, नशा मुक्त समाज बनाना, ऊर्जा की बचत, पानी बचाना, पेड़ लगाना और स्वच्छता में सक्रियता से भाग लेना प्रत्येक प्रदेशवासी का कर्त्तव्य है। उन्होंने प्रदेशवासियों को अपने इन नागरिक कर्त्तव्यों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान मोतीलाल नेहरू स्टेडियम भोपाल में राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण किया। पुलिस बैंड की धुन के साथ राष्ट्र गान हुआ। मुख्यमंत्री श्री चौहान को परेड द्वारा सलामी दी गई। परेड कमांडर सहायक पुलिस आयुक्त भोपाल श्री अभिनय विश्वकर्मा के नेतृत्व में परेड में एसटीएफ, विशेष सशस्त्र बल उत्तरी जोन एवं दक्षिण जोन, जिला पुलिस बल, हॉक फोर्स, शासकीय रेल पुलिस, विशेष सशस्त्र बल, जिला बल का महिला दल, जेल विभाग, नगर सेना, एनसीसी सीनियर विंग गर्ल्स, एनसीसी सीनियर विंग बॉयस, गाईड गर्ल्स, स्काउट और पुलिस बैंड की टुकड़ियाँ शामिल हुईं। मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर पदक अलंकरण समारोह में राष्ट्रपति द्वारा वीरता, विशिष्ट सेवा और सराहनीय कार्य के लिए प्रदत्त पदक पुलिस, होमगार्ड तथा जेल विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को प्रदान किए।

भारी वर्षा के बीच हुए परेड कार्यक्रम और अलंकरण समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ऐसा प्रतीत हो रहा है मानों प्रकृति मेघ मल्हार गाकर आजादी की वर्षगाँठ मना रही हो। तेज बारिश में अडिग खड़ी परेड के लिए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि परेड में सम्मिलितों के धैर्य, संयम और संकल्प को देख कर यह विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि दुनिया की कोई ताकत भारत माता की तरफ आँख उठाकर नहीं देख सकती। आजादी के अमृत काल में अमृत वर्षा की बूँदों के संगीत और पुलिस बेंड की धुन पर परेड सम्पन्न हुई।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्वतंत्रता दिवस पर प्रदेश में वंचित आवासहीनों को आवास उपलब्ध कराने मुख्यमंत्री जन आवास योजना लागू करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश की धरती पर कोई बेघर नहीं रहेगा। मुख्यमंत्री भू-अधिकार योजना में प्रत्येक व्यक्ति को आवास के लिए जमीन का टुकड़ा उपलब्ध कराया जाएगा। जहाँ आवश्यक होगा वहाँ हाईराइज बिल्डिंग बनाकर गरीबों को आवास उपलब्ध कराए जाएंगे। माफिया से मुक्त कराई गई लगभग 21 हजार एकड़ भूमि पर गरीबों के लिए सुराज कॉलोनियाँ विकसित की जाएंगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित गरीब कल्याण योजनाओं से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे, इसके लिए प्रदेश में आगामी सितम्बर-अक्टूबर माह में विशेष अभियान चलाया जाएगा। प्रदेश में 18 सितम्बर 2022 तक पेसा एक्ट लागू कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के इस वर्ष में एक नवम्बर मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस आनंद और प्रसन्नता के साथ मनाने के लिए एक सप्ताह तक गतिविधियाँ संचालित की जाएंगी।

स्वतंत्रता दिवस पर पीएम मोदी ने किया लालकिले से जय जवान

हमें पंच प्रण लेना होगा, तभी आजादी के दीवानों के सपने साकार होंगे



नई दिल्ली। देश सोमवार को आजादी का जश्न मना रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से नौवीं बार राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया। इस दौरान उन्हें 21 तोपों की सलामी भी दी गई। 83 मिनट के अपने भाषण में उन्होंने देश के सामने 5 संकल्प रखे। भ्रष्टाचार, परिवारवाद, भाषा और लोकतंत्र का जिक्र किया। गांधी, नेहरू, सावरकर को यादकर नमन किया। नारी शक्ति के सम्मान और उनके गौरव की बात करते हुए भावुक भी हो गए। उन्होंने कहा, मैं एक पीड़ा जाहिर करना चाहता हूं। मैं जानता हूं कि शायद ये लाल किले का विषय नहीं हो सकता। मेरे भीतर का दर्द कहां कहूं। वो है किसी न किसी कारण से हमारे अंदर एक ऐसी विकृति आई है, हमारी बोल चाल, हमारे शब्दों में.. हम नारी का अपमान करते हैं। क्या हम नारी को अपमानित करने वाली हर बात से मुक्ति का संकल्प ले सकते हैं।

पीएम ने कहा कि अगर हम अपनी ही पीठ थपथपाते रहेंगे तो हमारे सपने कहीं दूर चले जाएंगे। इसलिए हमने कितना भी संघर्ष किया हो, उसके बावजूद भी जब आज हम अमृत काल में प्रवेश कर रहे हैं, तो अगले 25 साल हमारे देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज मैं लाल किले से 130 करोड़ लोगों को आह्वान करता हूं। साथियों मुझे लगता है कि आने वाले 25 साल के लिए भी हमें उन पांच प्रण पर अपने संकल्पों को केंद्रित करना होगा। हमें पंच प्रण को लेकर, 2047 जब आजादी के 100 साल होंगे, आजादी के दीवानों के सारे सपने पूरे करने का जिम्मा उठाकर चलना होगा।

मातृभूमि के लिए फना हो जाने वाले जवान देश का गौरव



भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि मातृभूमि के लिए फना हो जाने वाले जवान देश का गौरव हैं। उन्होंने कहा कि सेना माँ भारती की ढाल बन कर जिन कठिन परिस्थितियों में सीमाओं की रक्षा और सेवा करती हैं। उसका दुनिया में कोई मुकाबला नहीं है। माँ भारती के मान-सम्मान की रक्षा के लिए सेना के जवानों का समर्पण और वीरता दुनिया में मिसाल है।

राज्यपाल श्री पटेल आज द्रोणाचल में सुदर्शन चक्र कोर द्वारा स्वतंत्रता दिवस और आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में हुए कार्यक्रम में भारतीय सेना के सैनिक, सम्मानीय सेवानिवृत्त सैनिक, वीरता पुरस्कार विजेता और उनके परिवारजन को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल द्वारा सेवानिवृत्त, सेवारत वीरों एवं वीरांगनाओं का सम्मान किया गया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने सेना के जाबांजों की सराहना करते हुए कहा कि देश की रक्षा सेना के हाथों में और उनके मजबूत इरादों में है। इस पर देश को अटूट विश्वास है। देश निश्चिंत भी है। भारतीय सेना ने न केवल युद्ध के दौरान अपितु शांति के समय भी प्राकृतिक आपदाओं, आतंकवादियों को परास्त करने और देश की प्रगति में पूर्ण सहयोग दिया है। राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई है।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर इस वर्ष देश में हर घर तिरंगा अभियान से हर घर पर राष्ट्र ध्वज शान से फहराया गया। देश प्रेम की भावना से ओत-प्रोत तिरंगे के साथ भारतीयों के उत्साह और उमंग को देखकर मजबूत राष्ट्र के भविष्य का सपना साकार होता दिख रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस तरह का सम्मान समारोह हमारी आने वाली पीढ़ी और युवाओं के लिए प्रोत्साहन और उत्साह का माध्यम साबित होगा।

हमारे आने वाले कल को स्वर्णिम भारत की दिशा में अग्रसर करेगा। सुदर्शन चक्र कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग श्री विपुल सिंघल ने कहा कि देश का झंडा शान से लहराता है, क्योंकि वह सैनिक की राष्ट्र के लिए समर्पित आखिरी साँस से लहराता है। उन्होंने कहा कि देश आजादी के समय के अल्प विकसित राष्ट्र से आज दुनिया के प्रमुख देशों में गिना जा रहा है। यह सेना के खून-पसीने की मेहनत से की जा रही देश की सुरक्षा ने सुनिश्चित किया है। सेना की जिम्मेदारियों के पालन में प्रशासन और आमजन के सहयोग के प्रति आभार ज्ञापित किया। जनरल ऑफिसर कमांडिंग पश्चिम मध्यप्रदेश उप क्षेत्र मेजर जनरल सुमेर इवान डी कुन्हा ने आभार माना।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने लोगों से सर्वेक्षण में हिस्सा लेने की अपील की

नई दिल्ली। मोदी सरकार में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने लोगों से स्कूली शिक्षा के नए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे (एनसीएफ) के विकास के लिये एनसीईआरटी द्वारा कराए जा रहे सर्वेक्षण में हिस्सा लेने की अपील की। एनसीएफ देश में पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकों एवं पठन पाठन का डिजाइन तैयार करने के लिये मार्गदर्शन का कार्य करेगा। एनसीईआरटी द्वारा किए जा रहे डिजिटल सर्वेक्षण में 10 सवाल पूछे जा रहे हैं जिसमें पांच विकल्प दिए हैं। शिक्षा मंत्री प्रधान ने कहा कि एक विविधतापूर्ण, समावेशी और भविष्योन्मुखी राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे का विकास वैश्विक दृष्टि के साथ सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने, शिक्षा को औपनिवेशिक प्रभाव से मुक्त बनाने तथा हमारी भावी पीढ़ियों में गौरव का भाव जगाने के लियेजरूरी है। उन्होंने कहा, मैं नए भारत के नए पाठ्यक्रम के विकास के लिए एनसीएफ पर नागरिक सर्वेक्षण में हिस्सा लेने के लिये सभी नागरिकों से अपील करता हूं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की तर्ज पर एक विविधतापूर्ण राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचा विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इसमें पूछा गया है कि जिम्मेदार माता पिता या बच्चों के अभिभावक के रूप में आप बच्चों के समग्र विकास में शिक्षकों की भूमिका की कल्पना कैसे करते हैं? अपनी शिक्षा को भविष्योन्मुखी और कौशल उन्मुख बनाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? सर्वेक्षण में पूछा गया है कि हमारा समाज स्कूली शिक्षा से क्या उम्मीद करता है? कक्षा 6-8 के बच्चों को किन किन विषयों का अध्ययन करना चाहिए? कक्षा 3-5 में बच्चों को कौन कौन से विषय पढ़ाये जाने चाहिए?

हमारे देश में शिक्षकों का गौरव बढ़ाने के लिये सुझाव दें? एनसीईआरटी द्वारा कराये जा रहे डिजिटल सर्वेक्षण में पूछा गया है कि आपके अनुसार कक्षा 1 से बच्चों को स्कूल में कौन सी भाषा सीखनी चाहिए । राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परिकल्पित माध्यमिक शिक्षा के चार वर्षों के लिए सभी छात्रों को क्या अध्ययन करने की जरूरत है?



देश के 76वें स्वतंत्रता दिवस पर
समस्त प्रदेशवासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं



आइये, आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाएं,
हर घर तिरंगा लहरायें

तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी
harghartiranga.com पर अवश्य अपलोड करें
या इस website पर वर्चुअल फ्लैग पिन करें।

हर घर तिरंगा

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी D 18509/22

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2022

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक डॉ. केपी सिकरवार द्वारा हरीओम प्रिंटिंग प्रेस, कम्पू ग्वालियर से मुद्रित एवं गोपालपुरा, मुरैना से प्रकाशित। संपादक : सगुन चन्द्र जैन (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र मुरैना न्यायालय रहेगा।) मो. 9425456266